1	2	3	4
	संगमनेर (अहमदनगर)	"	"
	शिरपुर (अमरावती)	"	"
	मेहेकर (बुल्ढाना)	"	"
	मोर्शी (अमरावती)	"	"
	वनी (यवतमाल)	"	"
	देवरुख (रत्नगिरि)	"	"
	चिखली (बुल्ढाना)	"	"
	जुन्नार (पुणे)	10 वाट	"
	खेड (रत्नगिरि)	"	"
	करजात (रायगढ़)	"	"
	अदयाल टेकड़ी (चन्द्रपुर)	"	"
	राजापुर (रत्नगिरि)	"	"
	चिकलधरा (अमरावती)	"	"
गुजरात	राजकोट (राजकोटा)—स्टूडियो	—	1995-96 के दौरान चालू किए जाने की संभावना है।
	वडोदरा (वडोदरा)	10 कि.वा.	स्कीम के अनुमोदन के बाद इसे चालू करने में लगभग 3-4 वर्ष का समय लगेगा।
	सूरत (सूरत)	10 कि.वा.	-वही-
	पालिताना (भावनगर)	10 कि.वा.	-वही-
	मोर्वी (राजकोट)	300 वा. / 100 वा.	1994-95 के दौरान चालू की जानी है बशर्ते आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हों।
	महुवा (भावनगर)	"	"
	नकतरना (कच्छ)	"	"
	मांगरोल (जूनागढ़)	"	"
	ईदर (साबरकांठा)	"	"
	पालिताना (भावनगर)	"	"
	देस्ता (बनासकांठा)	"	"
	रजुला (अमरेली)	"	"
	संजेली (पंचमहल)	"	"
	खम्भालिया (जामनगर)	"	"
	अमोद (भरूच)	"	"
	मांगरोल (सूरत)	"	"
	थगडिया (भरूच)	"	"
	नेतरंग (भरूच)	10 वाट	"
	देवगढ़ बारिया (पंचमहल)	"	"

Decline in the Doordarshan viewership

929. DR. BAPU KALDATE:
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what is the decline/rise in the percentage of overall Doordarshan viewership according to the study, if any, made by Government;

(b) what is the percentage of decline, if any, in the viewership of both English a Hindi News bulletins at various timings; and

(c) what are the reasons for decline in the Doordarshan viewership?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K.P. SINGH DEO): (a) Doordarshan viewership has increased considerably in the last two years with the estimated increase in the number of TV households from 31 million in 1991 to 40 million now.

(b) and (c) There is no change in the viewership of English & Hindi news bulletins in cities which do not get Metro programmes. There is some decline in the viewership to the Hindi news bulletin in the evenings in the metro cities, when there is very popular programmes on the Metro Channel.

Decontrolling the Indian Newspaper Industry

930. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the Indian Newspaper Society has made certain proposals to decontrol the newspaper industry in the country for its healthy and economically viable growth; and

(b) if so, what is the decision, if any taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K.P. SINGH DEO): (a) Yes, Sir.

(b) The matter is under examination.

नये समाचार पत्रों का पंजीकरण

931. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय देश में भाषा वार दैनिक पत्रों, साप्ताहिकों और मासिक पत्रों की कुल संख्या कितनी-कितनी है;

(ख) नये समाचार पत्रों के पंजीकरण के लिए सरकार के पास कुल कितने आवेदन पत्र विचाराधीन पड़े हैं; और

(ग) समाचार पत्रों के पंजीकरण के लिए सरकार की नीति और नियम क्या है?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव): (क) सूचना विवरण में दी गई है (नीचे देखिए)

(ख) 1.1.94 की स्थिति के अनुसार 162 आवेदन पत्र अनुमति के लिए लम्बित थे।

(ग) प्रैस और पुस्तक रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1867 के विभिन्न प्रावधानों की शर्तों के अधीन समाचार पत्र पंजीकृत किए जाते हैं।

विवरण

31.12.92 की स्थिति के अनुसार भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के पास पंजीकृत दैनिक / साप्ताहिक और मासिक समाचारपत्रों पत्रिकाओं की संख्या

1	दैनिक 2	साप्ताहिक 3	मासिक 4
अंग्रेजी	293	721	2460
हिन्दी	1548	5576	2361
असमिया	10	49	42
बंगला	75	502	599
गुजराती	75	284	442
कन्नड़	184	273	375
कश्मीरी	0	1	0
कोंकणी	0	2	1
मलयालम	178	149	593
मणिपुरी	10	3	3
मराठी	221	559	435
नेपाली	1	9	7
उड़िया	42	78	219
पंजाबी	76	285	210
संस्कृत	3	6	13
सिन्धी	8	30	31
तमिल	295	329	587
तेलुगु	77	206	328
उर्दू	373	966	46